# राम के सेवक हैं जो , वो राम का ध्यान धरे भगतो की झोली ये , हनुमत ही तो भरे

दोहा - पवन तने संकट हरन मंगल मुर्ति रुप
राम लखन सीता सहित हदय बसहु सुर भूप

तरज - सावरे से मिलने का सतसग बहाना है

राम के सेवक हैं जो , वो राम का ध्यान धरे
भगतो की झोली ये , हनुमत ही तो भरे

रावण की लंका तो हनुमत ही जलाये थे
पर्वत उठाकर तो ये लखन जीलाये थे
हमारी हर विपदा को बालाजी दूर करे
भगतो की झोली ये , हनुमत ही तो भरे

बिच सभा में जब माला ये तोडी थी
राम लखन सीता की दिखाई जोडी थी
हमारे कष्टो को मारुति दूर करे
भगतो की झोली ये , हनुमत ही तो भरे

Lyrics - । ucky Shuk। a

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34318/title/raam-ke-sevak-hain-jo---vo-raam-ka-dhyaan-dhare-bhagato-kee-jholee-ye---hanumat-hee-to-bhare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |